आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, मध्यप्रदेश,भोपाल

वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन

2018-2019

पोस्ट बैग क्रमांक -506,भोपाल - 462016

मध्य प्रदेश, शासन

आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा, प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी,

मध्य प्रदेश, भोपाल

वर्ष 2018 - 2019

आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी,

मध्यप्रदेश,भोपाल

विभागाध्यक्ष- श्री ए.पी.श्रीवास्तव,

आई.ए.एस.

महानिदेशक

कार्यालय प्रमुख-श्री मनीष रस्तोगी,

आई.ए.एस.

संचालक

महानिदेशक का सन्देश

झीलों की नगरी भोपाल स्थित आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, की वेबसाइट पर आपका हार्दिक स्वागत हैं । वर्ष 1966 में स्थापित यह अकादमी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। आज यह प्रदेश का शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान हैं जो राज्य एवं केन्द्र सरकार के अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता हैं ।

भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवाओं के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के लिए इस अकादमी को चिन्हित किया गया है व 2018 तक ऐसे 8 प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमी द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके है ।

अकादमी में प्रशिक्षणार्थियों के लिए समस्त अद्यतन सुविधायें यथा सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, ग्रंथालय, सूचना प्रोद्योगिकी, खेलकूद सुविधायें, योगाभ्यास, जिम और आवासीय सुविधायें उपलब्ध कराई गई है। अकादमी द्वारा वर्ष 2017-18 में 278 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 9097 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया हैं ।

वर्ष 2015-16 में इस अकादमी को गुणवत्ता के लिए आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ हैं तथा भारत सरकार कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार एवं उत्कृष्ट पद्धतियों को अपनाने के लिए दो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं ।

अकादमी परिसर लोक सेवकों की नेतृत्व तथा प्रबंधकीय कौशल की क्षमताएं विकिसत करने के उद्देश्य से नवाचार पद्धतियों को समाहित कर प्रशिक्षण के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता रहेगा ।

(ए.पी.श्रीवास्तव)
महानिदेशक

संचालक का संदेश

आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा, प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, की इस वेबसाईट पर आपका स्वागत हैं। वर्ष 1966 में अकादमी ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ लोक सेवकों की क्षमता संवर्धन के क्षेत्र में अपना पहला कदम बढ़ाया था। अपनी इस दीर्घ यात्रा में अकादमी ने भौतिक एवं शैक्षिक स्तर पर अनेक उपलब्धियॉ अर्जित की हैं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई हैं।

अकादमी में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं, शैक्षिक वातावरण एवं अकादमिक क्षमता को देखते हुए भारत सरकार द्वारा अकादमी को अखिल भारतीय एवं केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रेड-ए के अधिकारियों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। वर्ष 2014 तक अखिल भारतीय एवं केन्द्रीय सेवा के अधिकारियों के लिए 6 कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किये जा चुके हैं।

दिनॉक 11 अप्रैल 2015 को भारत सरकार, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा ''आपकी जागरूकता हेतु दृश्य संवादात्मक पद्धति (Video Interactive Didactics for Your Awareness)'' तथा ''उद्यम संसाधन योजना सहित प्रशिक्षण कैलेण्डर तथा अनुवर्ती कार्रवाई (Preparation of training calendar and follow up with ERP)" में श्रेष्ठ कार्य प्रणाली संबंधी अभिनव पहल के लिए अकादमी को राष्ट्रीय उत्कृष्टता प्रशिक्षण पुरस्कार 2015 प्रदान किये गये हैं।

अकादमी अपनी सेवाओं एवं संसाधनों के क्षेत्र में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सतत रूप से प्रयासरत हैं । इसी क्रम में दिनांक 23 अप्रैल 2015 से आगामी तीन वर्षों के लिए अकादमी को आई.एस.ओ. प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ हैं। वर्ष 2016 में अकादमी ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं ।

मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी अकादमी निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहते हुए लोक सेवकों का क्षमता संवर्धन करती रहेगी ।

(मनीष रस्तोगी)

संचालक

अनुक्रमणिका

सं. क्र.	विषयवस्तु	पृष्ठ क्रमांक
1	विभागीय परिचय	1
2	प्रशासन अकादमी की अधोसंरचना	2-3
3	प्रशासन अकादमी में स्वीकृत पद	4-5
4	प्रशासन अकादमी के मुख्य उद्देश्य	5
5	प्रशासन अकादमी के लक्ष्य	6
6	प्रशासन अकादमी की गुणवत्ता नीति	7
7	प्रशासन अकादमी की उपलब्धियां	8
8	प्रशासन अकादमी में स्थापित विशिष्टीकृत/ केन्द्र/परियोजना	9
9	प्रशासन अकादमी का बजट	10

आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी
मध्यप्रदेश, भोपाल से संबंधित जानकारी

-0-

परिचय

अकादमी की स्थापना वर्ष में हुई थी । तत्समय इसका नाम लाल बहादुर 1966 शास्त्री, लोक प्रशासन संस्थान था । संस्थान को वर्ष में वर्तमान परिसर में 1975 रित किया गयानान्तस्था। 11 अक्टूबर 2001 से इसका नाम प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री आरनरोन्हा .पी.वी.सी., के नाम पर आरनरोन्हा .पी.वी.सी., प्रशासन एवं प्रबन्धकीय अकादमी, मध्यप्रदेश रखा गया है । राज्य के अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु निर्मित इस संस्थान को मध्यप्रदेश शासन के द्वारा वर्ष से प्रशिक्षण हेतु नोडल एजेंसी घोषित 1987 प्रदेश शासन के सभी होने से यह मध्य प्रशिक्षण संस्था की शीर्षस्थकिया गया । राज्य विभागों के लिये प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन करती हैं ।

के.पमेंट अथॉरिटी यूमें ओवरसीज डेव्ले 1992 वर्ष. तथा भारत सरकार के तत्वाधान में प्रायोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण एवं जेण्डर प्लानिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अकादमी क्षेत्रीय योजना के अंतर्गत यह मध्यप्रदेश के अतिरिक्त कुछ राज्यों के प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षित करने का कार्य कर रही है । मार्च में इसे प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण 1994 नित किया गया । र से सम्माता पुरस्काष्टय उत्कृके क्षेत्र में भारत सरकार के द्वारा राष्ट्री में अकादमी को भारत सरकार ने प्रशिक्षण के 1999 वर्ष क्षेत्र में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन की श्रेष्ठ कार्य :नित किया है । वर्तमान में भी पुनयोजना के लिये भी सम्मा- 2016 अकादमी को वर्ष- .ओ.एस.हेतु आई 20179001:2001 प्राप्त हुआ हैं ।

प्रशासन अकादमी में उपलब्ध अधोसंरचना

- अकादमी मुख्य भवन में संकाय सदस्यों के कक्षों के अतिरिक्त आधुनिक सुविधाओं से लैस 10 स्मार्ट क्लास रूम, आधुनिक हॉल, 2 क्रांन्फ्रेंस हॉल, ऑडिटोरियम हॉल, मिनी थियेटर, 04 कम्प्यूटर लेब एवं दो मंजिला ग्रंथालय स्थित हैं ।

- अकादमी परिसर में आवासीय दो छात्रावास है । अकादमी में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सम्मिलित अधिकारियों/प्रशिक्षणार्थियों के आवास हेतु दोनों छात्रावासों में कुल 404 प्रशिक्षु अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था है । सभी कक्ष वातानुकूलित है । गेस्ट हाऊस में सात सुसज्जित कक्ष है ।

- अकादमी में सेवारत् अधिकारियों/कर्मचारियों के परिसर में निवास हेतु 81 आवास गृह स्थित हैं ।
- प्रशिक्षणार्थियों को खेलकूद सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से परिसर मे बैडमिंटन, स्क्वॉश, लॉग टेनिस कोर्ट, बास्केटवाल कोर्ट, टेबल टेनिस हॉल, वातानुकूलित जिम, बिलियर्ड कक्ष, योगा हॉल के अतिरिक्त फुटबाल ग्राऊण्ड एवं वॉलीवाल कोर्ट उपलब्ध हैं ।

अकादमी में स्वीकृत पद :-

क्र.	श्रेणी	स्वीकृत पद
1	प्रथम	16
2	द्वितीय	6
3	तृतीय	50
4	चतुर्थ	27
5	आकस्मिकता निधि	26
6	स्थायी कर्मी कार्यरत	17

क्र.	स्वीकृत पद प्रथम श्रेणी विवरण	स्वीकृत पद
1	महानिदेशक	1
2	संचालक	1
3	प्राध्यापक (विधि)	1
4	प्राध्यापक (लोकनीति)	1
5	प्राध्यापक (वित्त)	1
6	प्राध्यापक (व्यावहार विज्ञान)	1
7	प्राध्यापक (लोक प्रशासन)	1
8	रीडर, (लोक प्रशासन)	1
9	रीडर, (अर्थशास्त्र)	1
10	रीडर, (वित्तीय प्रबंधन)	1
11	अधीक्षण यंत्री	1
12	उप संचालक (प्रशिक्षण)	1
13	उप संचालक (प्रशा)	1
14	उप संचालक (लेखा)	1
15	कार्यपालन यंत्री	2
	योग	16

क्र.	द्वतिय श्रेणी /पदनाम	स्वीकृत पद
1	सिस्टम एनालिस्ट (लेक्चरर, कम्प्यूटर साईंस)	1
2	सहायक प्राध्यापक, लोक प्रशासन	1
3	सहायक प्राध्यापक, समाज शास्त्र	1
4	सहायक संचालक (लेखा)	1
5	स्टूडियों इंजीनियर	1
6	प्रशासकीय अधिकारी	1
योग		6

उद्देश्य :-

अकादमी के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है :-

- राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के लिये प्रशिक्षण नीति निर्माण में सहयोग एवं सलाह देना ।
- सम्पूर्ण राज्य में आवश्यकतानुसार राज्य की अन्य सेवाओं को प्रशिक्षणके प्रबन्धन हेतु मार्ग दर्शन देना ।
- राज्य की उच्च सेवाओं के लिये सीधी भर्ती द्वारा चयनित व पदोन्नत अधिकारियों के लिये प्रशिक्षण की संरचना व आयोजन करना।
- प्रशिक्षण तथा विकास से संबंधित क्षेत्रों मे अध्ययन तथा अनुसंधान के कार्य करना ।
- प्रशिक्षण के क्षेत्र में नये विकास को समाहित करने की दृष्टि से अन्य प्रशिक्षण संस्थाओं से सतत् सम्पर्क तथा सहयोग बनाये रखना ।

- **निम्नलिखित संस्थाओं/व्यक्तियों के लिये प्रशिक्षण आयोजित करना :-**
  - I. **भारत सरकार**
  - II. **राज्य सरकार**
  - III. **भारत सरकार के उपक्रम**
  - IV. **राज्य सरकार के उपक्रम**
  - V. **निर्वाचित जनप्रतिनिधि**
  - VI. **पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारी**
  - VII. **नगरीय विकास के पदाधिकारी**
  - VIII. **स्वयं सेवी संस्थायें**
  - IX. **जिला एवं प्रदेश स्तरीय अन्य प्रशिक्षण संस्थायें**

लक्ष्य-:

- **एक ऐसा वातावरण निर्मित करना, जो शिक्षा और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करता हो ।**
- **प्रशिक्षण के क्षेत्र में अकादमिक नेतृत्व प्रदान करना ।**
- **समस्त लोक सेवको के लिए दूरस्थ प्रशिक्षण पद्धति सहित, विविध पद्धतियों के माध्यम से प्रशिक्षण उपलब्ध कराना ।**
- **प्रशिक्षणार्थियों को व्यवसायिक दक्षता एवं नैतिकता के उच्च मापदण्डों को प्रोत्साहित करना ।**
- **प्रशिक्षणार्थियों को इस योग्य बनाना, कि वे समाज को अपनी उत्कृष्ट सेवायें दे सके ।**

गुणवत्ता नीति-:

गुणवत्ता नीति से आश्य उन प्रमुख नीतियों से हैं, जिन्हें लक्ष्यों का साकार करने के उद्देश्य से अकादमी के द्वारा लागू किया जाना है, इस अकादमी की गुणवत्ता नीति निम्नानुसार है -:

- दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता के उच्च मापदण्ड निर्धारित करना और उन्हें लागू करना ताकि सेवा प्राप्त करने वाले सगठनों एवं प्रशिक्षणार्थियों को संतुष्ट किया जा सके ।
- समस्त कार्यो की प्रक्रियाओं को अभिलिखित करना, उनका मानकीकरण करना एवं उनमें निरंतर सुधार लाना ।
- सभी संबंधित वर्गो को ''गुणात्मक सुधार समूह'' मे सम्मलित कर गुणवत्ता को निरंतर बढ़ाना ।
- सभी संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को उनके व्यक्तिगत विकास के अवसर उपलब्ध कराना ताकि उनके व्यक्तिगत विकास के साथ ही संस्था का विकास हो ।

उपलब्धियां :-

I. अकादमी द्वारा वर्ष 2017-2018 में 278 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये है जिसमे 8944 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। वर्तमान वर्ष 2018-2019 में दिनांक 1/4/2018 से 30/11/2018 तक 136 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये है जिसमे 6504 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है ।

II. राज्य सरकार द्वारा शासन के अधिकारियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अकादमी को सौपी गई है । अकादमी द्वारा चार आई.टी.मॉडयूल तैयार कर एक-एक सप्ताह के बेसिक कम्प्यूटर, ई-गवर्नेन्स एवं कार्यालयीन प्रक्रिया का कम्प्यूटरीकरण/दो सप्ताह का एडवांस कम्प्यूटर एवं तीन सप्ताह का सायवर सुरक्षा एवं प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमी मे आयोजित किये जा रहे है ।

III. अकादमी द्वारा राजधानी परियोजना प्रशासन/लोक निर्माण विभाग के माध्यम से परिसर मे स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य कराया जा रहा है । ऑडिटोरियम हॉल एवं ग्रंथालय का उन्नयन कार्य एवं दस क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम में परिवर्तित किया गया हैं ।

अकादमी में स्थापित विशिष्टीकृत/केन्द्र/परियोजना

अकादमी में भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सहायता से विशिष्ट विषयों के प्रशिक्षण हेतु वर्तमान मे निम्नानुसार केन्द्र/परियोजना स्थापित है :-

- सेटकॉम केन्द्र
- राज्य शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट)
- नेशनल लेण्ड रिकार्ड मार्डनाईजेशन परियोजना
- महिला संसाधन केन्द्र
- विश्व व्यापार संगठन केन्द्र
- ज्ञान प्रबन्धन एवं सुशासन केन्द्र
- स्वामी विवेकानन्द पीठ
- हुडको चेयर
- सूचना का अधिकार परियोजना
- सेवोत्तम प्रकोष्ठ
- आई.टी.पी. परियोजना

बजट:-

मध्यप्रदेश प्रशासन अकादमी को मांग संख्या -1मुख्य शीर्ष -2070अन्य प्रशासनिक सेवाएं -003प्रशिक्षण (2716) के अंतर्गत वर्ष 2018-2019 के लिये राजस्व अनुभाग मद में कुल राशि रूपये 11,26,64,000/- एवं पूंजीगत अनुभाग मद में राशि रूपये 2,71,11,000/- इस प्रकार 2018-2019 हेतु राजस्व एवं पूंजीगत अनुभाग में कुल रूपये 13,97,75,000/- रूपये स्वीकृत किया गया हैं ।